सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 268 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

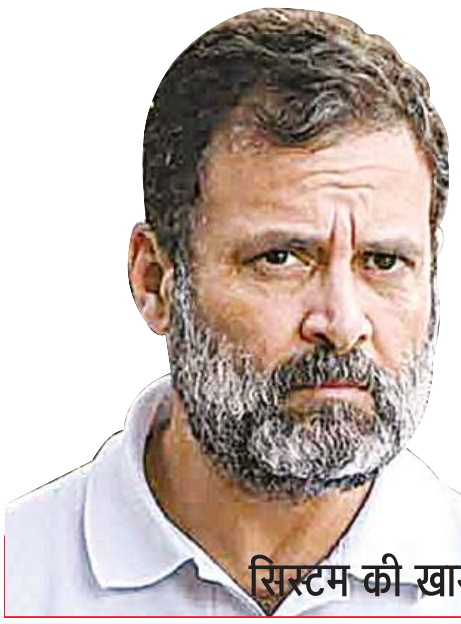

भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर, आत्मा आपका मंदिर है।

-चाणक्य

सिस्टम की खामी पर सरकार पर... 7 | यूपी में उपचुनावों की तारीख में... 3 | जमीनों की खरीद में गड़बड़ियों... 2

हैरिस पर भारी पड़े ट्रंप

अमेरिकी चुनाव में मिला बहुमत

» जीत के बाद अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे
» पीएम मोदी व अन्य नेताओं ने दीं शुभकामनाएं
» ट्रंप बोले- सभी का धन्यवाद, ये पूरे अमेरिका की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने लगे हैं। अमेरिकी जनता ने अपने नए राष्ट्रपति के लिए वोट कर दिया है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप अपनी प्रतिद्वंदी डेमोक्रेटिक कैंडिडेट कमला हैरिस से आगे चल रहे हैं। अमेरिका में हर चार साल बाद चुनाव होते हैं। इसके वोटिंग का दिन और महीना तय है। जिस तरह से ट्रंप स्विंग राज्यों में बाजी मार रहे हैं उससे तो ऐसा ही लगता है वह अमेरिका के राष्ट्रपति बन रहे हैं। उनके राष्ट्रपति बनने की खबर से पूरी दुनिया के बड़े-बड़े नेताओं उन्हें बधाई संदेश देना शुरू कर दिया है।

वही भारत समेत कई बड़े देशों के शेयर बाजार तेजी में आ गए जिससे अरबों का लाभ होने की उम्मीद है। अभी तक के चुनाव नतीजों में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप 230 इलेक्टोरल कॉलेज के साथ बहुमत के आंकड़े 270 के करीब जाते दिख रहे हैं। वहीं कमला हैरिस 205 इलेक्टोरल कॉलेज वोट के साथ पिछड़ती दिख रही हैं। कई स्विंग स्टेट में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की है और इससे साफ है कि ट्रंप चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं को लुभाने में कामयाब रहे। माना जा रहा है कि अवैध अप्रवासियों का मुद्दा डेमोक्रेट पार्टी को भारी पड़ गया है।

जनता ने हमें दिया मजबूत जनादेश : ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने स्विंग स्टेट के मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं आपके परिवार और भविष्य के लिए लड़ूंगा। हमें स्विंग स्टेट के मतदाताओं का भी साथ मिला। अगले चार साल अमेरिका के लिए स्वर्णिम होने वाले हैं, जनता ने हमें बहुत मजबूत जनादेश दिया है। अमेरिकी चुनाव में जीत के बाद 47वें राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकावासियों का धन्यवाद। आज से पहले ऐसा नजारा नहीं देखा। हम अपने बॉर्डर को मजबूत करेंगे। देश की सभी समस्याएं दूर करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप 6 नवंबर 2024 को अपने समर्थकों को संबोधित करेंगे वहीं, कमला हैरिस अपने समर्थकों को कल संबोधित करेंगी।

पूरी दुनिया के बड़े-बड़े नेताओं ने उन्हें बधाई संदेश देना शुरू कर दिया है

सीनेट पर भी रिपब्लिकन पार्टी का कब्जा

डोनाल्ड ट्रंप	- 277 (बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया)
कमला हैरिस	- 226

नतीजे अभी आने बाकी

ट्रंप आगे	- 35
हैरिस आगे	- 00

इजरायल-फिलिस्तीन जंग पर भी प्रभाव

अमेरिका चुनाव के नतीजे सीधे तौर पर इजरायल-फिलिस्तीन जंग को प्रभावित करने वाले हैं। क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल-फिलिस्तीन जंग का इस्तेमाल वोटो की जंग मे बखूबी किया है। जैसा कि अब यह स्पष्ट हो गया है ट्रंम्प जीत हासिल करेंगे। ऐसे में अब जंग थमेगी नहीं बल्कि बढ़ेगी। विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि ट्रम्प के शासनकाल में ही पहली बार इजरायल के प्लेन सउदी की धरती पर उतरे थे और दोनों देश एक सकारात्मक तरीके से आगे बढ़े थे। अब ट्रम्प जीत गए हैं तो वह अरब वर्ल्ड में एक बार फिर अपने तरीके से बात को आगे बढ़ायेंगे। ट्रम्प के संबध ईरान से भी पहले से खराब है ऐसे में बदले माहौल में और ज्यादा खराब होने की स्थति बन रही है।

नाम	जीत	लीड	कुल
ट्रंप	277	35	312
हैरिस	226	00	226

सीधा असर शेयर बाजार पर

अमेरिकन चुनाव के नतीजो का सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पड़ना तय था। राष्ट्रपति चुनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार आज हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में रियल्टी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इंफ्रा जैसे सेक्टर में खरीदारी हो रही है। मीडिया कंपनियों के शेयर में खरीदारी का सीधा मतलब ट्रम्प की जीत से लगाया जा रहा है। वही एनर्जी और निजी बैंकों के शेयर की खरीद का सीधा मतलब इस सेक्टर में हो रहे ग्रोथ से देखा जा रहा है। कुल मिलाकर आज 300 प्वाइंट प्लस के साथ खुले शेयर बाजार पर सभी निगाहे जमाए बैठे रहे।

अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति ने दी ट्रंप को सबसे पहले बधाई

डोनाल्ड ट्रंप को बहुमत मिलते ही अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने उन्हें एक्स पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति को बधाई, डोनाल्ड ट्रंप भगवान आपको आशीर्वाद दें और आपका मार्गदर्शन करें।

इजरायल फिलिस्तीन जंग का इस्तेमाल वोटो की जंग मे बखूबी किया

छह भारतीय अमेरिकियों की जीत

छह भारतीय अमेरिकियों ने प्रतिनिधि सभा के चुनाव में जीत दर्ज की है। मौजूदा कांग्रेस में उनकी संख्या पांच से बढ़ गई है। भारतीय-अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया और पूरे पूर्वी तट से चुने जाने वाले समुदाय के पहले व्यक्ति बनकर इतिहास रच दिया।

उच्च सदन सीनेट में भी रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत

अमेरिकी संसद में सत्तासीन डेमोक्रेटिक पार्टी को झटका लगा है। दरअसल राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से पिछड़ रही है, लेकिन अब अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट में भी रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत हो गया है। अब सदन में रिपब्लिकन पार्टी के 51 और डेमोक्रेट पार्टी के 42 सांसद हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ओहायो से डेमोक्रेट पार्टी के सीनेटर शेरोड ब्राउन अपने चौथे कार्यकाल के लिए लड़ रहे थे। हालांकि, यहां उन्हें लग्जरी कार डीलर और रिपब्लिकन प्रत्याशी बर्नी मोरेनो ने शिकस्त दी। इससे पहले सीनेटर जो मेनशिन के रिटायरमेंट से खाली हुई सीट पर वेस्ट वर्जिनिया के गवर्नर जिम जस्टिस ने कब्जा जमाया। इसी के साथ रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया। अमेरिकी सीनेट 100 सदस्यीय सदन है। इनमें से 66 सीटों पर चुनाव नहीं हुए थे और सिर्फ एक तिहाई यानी कि 34 सीटों पर नए सांसद चुने गए हैं। रिपब्लिकन पार्टी ने बीते चार साल में पहली बार अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट में बहुमत हासिल किया है। इतिहास में पहली दो अश्वेत महिलाएं सीनेट के लिए चुनी गई हैं, जिनमें डेमोक्रेट पार्टी की लीजा ब्लंट रोचस्टर और एंजेला एलसोब्रुक्स शामिल हैं। दोनों क्रमशः डेलावेयर और मैरीलैंड से जीतकर सीनेट पहुंची हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं को लुभाने में कामयाब रहे ट्रंप

जमीनों की खरीद में गड़बड़ियों को मुद्दा बनाएंगे : अखिलेश यादव

» सपा मुखिया ने चुनाव प्रचार किया शुरू

» पूरे प्रदेश के आम मतदाताओं के बीच जाएगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा उपचुनाव में बीजेपी सरकार पर जोरदार हमला जारी रखेगी। पार्टी के शीर्ष लीडरशिप ने फैसला किया हैं कि वह जमीनों की खरीद में कथित गड़बड़ियों को जनता के सामने उजागर कर योगी सरकार की पोल खोलेगी। इसे अलावा भ्रष्टाचार, खाद संकट, कानून-व्यवस्था, संविधान और बेरोजगारी उसके प्रचार के मुख्य मुद्दों में शामिल रहेंगे।

पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में समर्थकों की बैठक के जरिये पूरे प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं और आम मतदाताओं को सियासी संदेश देने का प्रयास किया। अखिलेश ने उपचुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान का आगाज गाजियाबाद से किया है। वे शीघ्र ही अन्य सीटों पर भी प्रचार के लिए जाएंगे। पार्टी उपचुनाव को अगले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल मान रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यहां मिली विजय से एक संदेश जाएगा कि भाजपा को हराना सपा के मुश्किल नहीं है। इसलिए सपा का पूरा फोकस है कि धार्मिक आधार पर मतों का विभाजन न हो सके। वे पीडीए के नारे से जाति के आधार पर ध्रुवीकरण की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सपा के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि भाजपा के धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश का जवाब पीडीए की रणनीति ही है।

सपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर काम करें तो भाजपा हारेगी

अखिलेश ने गाजियाबाद में समर्थकों को यह मनोवैज्ञानिक संदेश देने पर फोकस किया कि जनता पूरी तरह से भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। अगर सपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर काम करें तो यूपी की सत्ता हासिल करने का उनका लक्ष्य आसानी से पूरा हो सकता है। महानगरों में जमीनों की धंधे को लेकर जिस तरह की शिकायतें आ रही हैं, उसे मुद्दा बनाने में सपा पीछे नहीं रहना चाहती। यही वजह है कि अखिलेश ने सार्वजनिक मंच से कहा कि गाजियाबाद में ही नहीं, लखनऊ और अयोध्या में भी जमीनों की खरीद-फरोख्त का रिकॉर्ड रजिस्ट्री विभाग सार्वजनिक करे। इसे उपचुनाव में सपा का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

भाजपा सरकार के सभी असंविधानिक फैसले बदले जाएं

मदरसा शिक्षा के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कई असंविधानिक फैसले लिए हैं। हमें भरोसा है कि जितने भी असंविधानिक फैसले भाजपा सरकार ने लिए हैं, वे सब बदले जाने चाहिए। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट ने ऐसे फैसलों पर भाजपा सरकार को कई बार कड़ी फटकार भी लगाई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : गठबंधन में शामिल हुई सपा

हरियाणा चुनाव से सबक लेते हुए इंडिया गठबंधन में महाराष्ट्र के चुनाव में सपा को शामिल किया गया है। महाराष्ट्र में सपा की दो सिटिंग सीटों पर महा विकास अघाड़ी (इंडिया) गठबंधन ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे। शिवसेना (यूबीटी) के अनुरोध पर भायखला में सपा अपना प्रत्याशी वापस लेगी। इस तरह से सपा अब महाराष्ट्र मे आठ विधानसभा सीटों पर जोर लगाएगी। सपा ने गठबंधन के तहत महाराष्ट्र में 12 सीटें मांगी थीं, पर इन पर विचार नहीं किया गया। सिर्फ सपा की दो सिटिंग सीटों मानखुर्द शिवाजी नगर और भिवंडी ईस्ट में गठबंधन में शामिल किसी अन्य दल ने प्रत्याशी नहीं उतारे। सपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी महाराष्ट्र में इन दो सीटों के अलावा मालेगांव मध्य, धुले शहर, भिवंडी पश्चिम, तुलजापुर, परांडाय और औरंगाबाद पूर्व में चुनाव लड़ रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी वहां जनसभाएं कर चुके हैं। ऐसे माना जा रहा है कि बाकी आठ सीटों पर सपा के साथ महा अघाड़ी गठबंधन के प्रत्याशियों की फ्रेंडली फाइट होगी। सूत्रों के अनुसार उद्धव ठाकरे ने निजी तौर पर सपा से भायखाला सीट पर प्रत्याशी वापस लेने की बात कही है। सपा ने इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। अब वह इस सीट पर प्रत्याशी नहीं उतारेगी।

झारखंड पर पहला अधिकार आदिवासियों का : सोरेन

» सीएम बोले- वे ही इस पर शासन करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह राज्य आदिवासियों का है और वे (आदिवासी) ही इस पर शासन करेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए दावा किया कि राज्य में कोई भी हिंदू खतरे में नहीं है, लेकिन विपक्षी पार्टी केवल अपने हिंदू-मुस्लिम विमर्श के जरिए यहां तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमने झारखंड को अलग राज्य बनाने के लिए लड़ाई लड़ी और हम अपने अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए भी लड़ेंगे। झारखंड आदिवासियों का है, इसलिए यहां आदिवासी ही राज करेंगे। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड की कुल जनसंख्या 32,988,134 है। इनमें से 26.21 प्रतिशत (8,645,042) आदिवासी हैं। रघुबर दास को छोड़कर, 2000 में बने राज्य के सभी मुख्यमंत्री आदिवासी समुदाय से थे। सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार ने जनता के सहयोग से अच्छा काम किया है और भविष्य में भी ऐसा ही करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''सीबीआई और ईडी के साथ मिलकर भाजपा मुझे डरा रही है और झूठे आरोपों के लिए मुझे जेल भी भेजा। लेकिन मैं झारखंड की धरती का बेटा हूं। मैं न तो डरता हूं और न ही कभी झुकता हूं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में 31 जनवरी को सोरेन को गिरफ्तार किया था, हालांकि उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था। झारखंड की 81 विधानसभा सीट के लिए दो चरण में 13 नवंबर और 20 नवंबर को चुनाव होंगे, जबकि परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

शरद पवार ने बारामती में अपने पोते युगेंद्र के लिए मांगे वोट

» महाराष्ट्र चुनाव : पूर्व सीएम ने कई चुनावी रैलियां कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने पोते युगेंद्र के समर्थन में एक चुनावी रैलियों को संबोधित किया। बारामती सीट पर युगेंद्र का मुकाबला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं अपने चाचा अजित पवार से है। पुणे जिले के बारामती तालुका के शिरसुफल में एक सभा को संबोधित करते हुए राकांपा (एसपी) प्रमुख पवार ने कहा कि इस साल की शुरुआत में बारामती लोकसभा सीट के लिए मुकाबला कठिन था क्योंकि यह पवार परिवार के सदस्यों के बीच हुआ था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव में बारामती में राकांपा (एसपी) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार और राकांपा के अध्यक्ष अजित पवार के बीच होने वाले मुकाबले का जिक्र करते हुए कहा कि अब, पांच महीने बाद क्षेत्र के लोग वैसी ही स्थिति देखेंगे। लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा को बारामती से मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ खड़ा किया गया था, जिससे यह मुकाबला पवार बनाम पवार हो गया था। शरद पवार ने कई चुनावी सभाएं करके अपनी बेटी सुले के लिए मतदाताओं से समर्थन मांगा था। चुनाव में सुप्रिया सुले की जीत हुई थी।

कमलनाथ ने कहा- सीबीआई जांच करवाई जाए, जीतू पटवारी बोले- जहर दिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 10 हाथियों की मौत पर सियासत तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हाथियों की मौत को करीब एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन दोषियों को पकड़ना तो दूर मध्य प्रदेश सरकार अब तक हाथियों की मृत्यु के कारण को भी स्पष्ट नहीं कर सकी है। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की है।

वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाथियों की मौत पर कहा कि यह कोई दुर्घटना नहीं थी बल्कि उन्हें जहर दिया गया था। मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 72 घंटे में 10 हाथियों की मौत के मामले में सियासत तेज होती जा रही है। मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर हाथियों की मौत को लेकर जमकर निशाना साधा। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि बांधवगढ़ नेशनल पार्क में 10 हाथियों की मृत्यु को करीब एक हफ्ता बीत चुका है, लेकिन दोषियों को पकड़ना तो दूर मध्य प्रदेश सरकार अब तक हाथियों की मृत्यु के कारण को भी स्पष्ट नहीं कर सकी है। कमलनाथ ने कहा कि यह अत्यंत चिंता का विषय है। एक तरफ तो वन्य जीवों का जीवन खतरे में है तो दूसरी तरफ यह भी दिखाई देता है कि मध्य प्रदेश का वन विभाग वन्य प्राणियों की रक्षा करने में पूरी तरह असमर्थ है।

वन मंत्री रावत इस्तीफा दें : जीतू पटवारी

हाथियों की मौत की घटना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि 10 हाथियों की मौत, यह कोई दुर्घटना नहीं थी बल्कि उन्हें जहर दिया गया था। उन्हें जहर किसने दिया ये तो जांच का विषय है, हालांकि उनकी मौतों का कोई अभियुक्त है तो वो है विभाग और राज्य सरकार। ये सरकार केवल वन्य जीवों को लेकर बजट पास करती है और उसमें भ्रष्टाचार करती है। सरकार इन हत्याओं के लिए अगर केवल कर्मचारियों को दंड देती है तो ये अन्याय होगा। वन मंत्री का भी इस्तीफा लेना चाहिए।

डबल इंजन की सरकार धर्म के नाम पर बांटती है : अंबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। कांग्रेस विधायक और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी अंबा प्रसाद ने कहा, हमारी सरकार पहली बार बनी और पहली बार लोगों के लिए कुछ किया गया है। यहां पहले हमेशा आजसू-भाजपा की सरकार रही है। वे केवल लोगों को विस्थापित करने में व्यस्त थे।

डबल इंजन की सरकार की कोई नीति नहीं थी, कुछ भी नहीं था। वे कुछ नहीं करना चाहते। वे सिर्फ धर्म के नाम पर लोगों को बांटना चाहते हैं। लोग जागरूक हैं। यहां विस्थापन, बेरोजगारी, बुनियादी ढांचा, विकास, शिक्षा प्रणाली और स्वास्थ्य प्रणाली को दुरुस्त करना है। हमने इन बातों को काफी आगे बढ़ाया है और दिन-रात लोगों के बीच काम किया है। मैंने आराम नहीं किया है, मैं इस क्षेत्र से कभी गायब नहीं हुई। मैं हमेशा लोगों के बीच रही हूं।

यूपी में उपचुनावों की तारीख में बदलाव पर सियासी ताव !

सपा मुखिया बोले- हार की डर से टाले गए चुनाव

» सपा, बसपा, कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

» भाजपा बोली- विपक्ष की मांग पर ही लिया अयोग ने फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में उपचुनावों की तारीख में बदलाव पर सियासी पारा चढ़ गया है। चुनाव आयोग द्वारा त्यौहारों की बात कहकर केरल, पंजाब व यूपी में मतदान की तारीखों को आगे बढ़ा दिया है। पहले जो चुनाव 13 नवंबर को होने थे उसे 20 तारीख कर दिया है। इसको लेकर उप्र में सपा ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि उसे पता है कि वह हार रही है इसलिए उसने चुनावों को टाल दिया है।

वहीं भाजपा कह रही है कि कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के आग्रह पर चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। वहीं चुनाव भले ही टल गए हों पर यूपी में उपचुनावों को लेकर बसपा, भाजपा, सपा से लेकर कांग्रेस तकने प्रचार अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के तहत मायावती ने अपनी चुनाव स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सपा व बीजेपी ने पहले ही इसकी घोषणा कर दी थी। गौरतलब हो कि अभी हाल ही में उप्र के सीएम योगी ने दिल्ली में इन चुनावों समेत कई अन्य मुद्दों को लेकर पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उनके मुलाकात के बाद से ही चुनाव आयोग ने तारीखों को आगे करने का फैसला लिया। इसको लेकर भी विपक्षी दलों ले सवाल उठाए हैं।

राजनीतिक पार्टियों ने आयोग से किया था आग्रह

राजनीतिक पार्टियों ने आयोग से कहा था कि इससे मतदान प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। भाजपा, बसपा और रालोद ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में लोग कार्तिक पूर्णिमा से तीन-चार दिन पहले यात्रा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को मनाई जाएगी। उप्र की कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) समेत नौ विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना था। हालांकि मतदान की तारीख को बढ़ाकर अब 20 नवंबर कर दिया गया है और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

राजनीतिक दलों में नारों की जंग

उत्तर प्रदेश विधानसभा की नौ सीट पर हो रहे उपचुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों के बीच चुनावी नारों की जंग छिड़ गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनावों की घोषणा से बहुत पहले ही बटेंगे तो कटेंगे का नारा गढ़ दिया था। वहीं, देवरिया जिले के समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता ने लखनऊमें पार्टी कार्यालय के बाहर एक होर्डिंग लगाई है, जिस पर लिखा है जुड़ेंगे तो जीतेंगे। महराजगंज जिले के एक अन्य सपा कार्यकर्ता द्वारा लगाए गए होर्डिंग में लिखा है न बंटेंगे, न कटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे और पीडीए जुड़ेगा और जीतेगा। प्रदेश में 13 नवंबर को उपचुनाव के तहत नौ सीट पर मतदान होगा। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भी इस होड़ में कूद पड़ी है। मायावती ने कहा,बसपा से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे, सुरक्षित रहेंगे। महाराजगंज जिले के सपा कार्यकर्ता अमित चौबे ने दो नारे गढ़े। उन्होंने कहा,समाजवादी पार्टी ने पीडीए शब्द गढ़ा है, जिसमें समाज के सभी वर्ग शामिल हैं। यहां पी का मतलब पंडित (ब्राह्मण) और ए का मतलब अगड़ा (उच्च जाति) है। सपा सभी धर्मों की पार्टी है। पार्टी के संस्थापक नेताजी मुलायम सिंह यादव और पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने समाज के सभी वर्गों के लिए काम किया है और उनके लिए नीतियां बनाई हैं। हालांकि, भाजपा जाति के आधार पर लोगों को बांटकर काम करती है। देवरिया जिले के सपा कार्यकर्ता विजय प्रताप यादव ने लखनऊमें पार्टी कार्यालय के बाहर एक होर्डिंग लगाई, जिसमें लिखा था जुड़ेंगे तो जीतेंगे। सपा कार्यकर्ता रंजीत सिंह द्वारा लगाए गए तीसरे पोस्टर पर लिखा है, ना बाटेंगे, ना काटेंगे, 2027 को नफरत करने वाले हटेंगे। हिंदू मुस्लिम एक रहेंगे तो नेक रहेंगे।

मायावती करेंगी उपचुनाव में प्रचार

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए बसपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें बसपा सुप्रीमो मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सहित 40 नाम शामिल हैं। बसपा के ये महारथी उपचुनाव में बसपा की जीत के लिए दिनरात एक करेंगे। बताते चलें कि यूपी में गाजियाबाद, मीरपुर, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसमऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझावां सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए पहले 13 नवंबर को मतदान होना था। लेकिन, 04 नवंबर को चुनाव आयोग ने इन सभी सीटों पर मतदान की तारीख एक हफ्ते बढ़ा दी है। अब इन नौ सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। बताते चलें कि उपचुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्ष पर लगातार हमलावर हैं। एक दिन पहले सोमवार को उन्होंने भाजपा-कांग्रेस को निशाने पर लिया। कहा कि ऐसे समय में जब करोड़ों लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, भाजपा और कांग्रेस महाराष्ट्र व झारखंड चुनाव के लिए प्रचार में एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही मुफ्त उपहारों की घोषणा करने में व्यस्त हैं। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि जनता के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय ये पार्टियां चुनाव से पहले अपने झूठे प्रचार और वादों के साथ नकारात्मक राजनीति में व्यस्त हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे ईमानदारी से पूरे नहीं किए जा रहे हैं। क्योंकि, वादे केवल लोगों को गुमराह करने के लिए किए जाते हैं। सरकार बनने के बाद नेता इसे भूल जाते हैं।

चुनाव टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे : अखिलेश यादव

यह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कस दिया है। उन्होंने कहा कि टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे। अखिलेश ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला, अब बाक़ी सीटों के उपचुनाव की तारीख, भाजपा इतनी कमजोर कभी न थी। उन्होंने कहा कि दरअसल बात ये है कि उप्र में 'महा-बेरोज़गारी' की वजह से जो लोग पूरे देश में काम-रोज़गार के लिए जाते हैं, वो दिवाली और छठ की छुट्टी लेकर उप्र आए हुए हैं, और उपचुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट डालनेवाले थे। सपा नेता ने आगे लिखा कि जैसे ही भाजपा को इसकी भनक लगी, उसने उपचुनावों को आगे खिसका दिया, जिससे लोगों की छुट्टी ख़त्म हो जाए और वो बिना वोट डाले ही वापस चले जाएं। ये भाजपा की पुरानी चाल है- हारेंगे तो टालेंगे।

बीते एक दशक से बसपा की सियासी जमीन यूपी में सिमटी

हालांकि पहले खबरे आ रही थीं कि पार्टी प्रमुख मायावती और नैशनल को-ऑर्डिनेटर आकाश आनंद उपचुनाव में अपने प्रत्याशियों के लिए प्रचार नहीं करेंगे। सूत्रों के मुताबिक सब कुछ अब जिला इकाइयों के भरोसे छोड़ दिया गया है। हालांकि, महाराष्ट्र और झारखंड में दोनों नेताओं के प्रचार के विकल्प खुले रखे गए हैं, जिस पर फैसला जल्द होगा। बीते एक दशक से बसपा की सियासी जमीन यूपी में सिमटती जा रही है। भले साल 2019 में बसपा के दस सांसद थे, लेकिन 2024 के परिणामों को देखते हुए यह साफ कहा जा सकता है कि वह गठबंधन का असर था, न कि केवल बसपा का। 2024 में जब बसपा अकेले चुनाव मैदान में उतरी तो वह एक बार फिर साल 2014 की तरह शून्य पर पहुंच गई। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी बसपा का केवल एक ही उम्मीदवार जीत सका था। 2024 में जब कोर वोटबैंक भी खिसका तो बसपा ने उपचुनाव में उतरने का फैसला किया, ताकि वह अपनी सियासी जमीन को फिर पा सके। पार्टी ने प्रत्याश भी तय किए। मायावती तमाम राजनीतिक मुद्दों पर हमलावर भी रहीं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही थी कि वह प्रचार करने निकलेंगी और बसपा पूरी मजबूती से इस चुनाव में लड़ती दिखेगी। हालांकि, अब यह तय हो गया है कि पार्टी अपने नेता के बूते नहीं बल्कि काडर की ताकत से ही लड़ेगी। दोनों नेता उपचुनाव में प्रचार से दूरी बनाए रखेंगे। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अगर मायावती और आकाश खुद प्रचार की कमान नहीं संभालते हैं तो एक बार फिर पूरा चुनाव भाजपा और सपा के बीच ही सिमट जाएगा। ठीक उसी तरह जैसे साल 2022 का विधानसभा चुनाव सिमटा था। कांग्रेस को दो, जबकि बसपा को एक पर जीत मिली थी। जानकार मायावती और आकाश के प्रचार से किनारा करने को एक बार फिर बसपा के लिए मुसीबत मान रहे हैं और उसे रेस से बाहर देख रहे हैं। हालांकि, सपा के साथ जमीन पर कांग्रेस का गठबंधन विजिबल न होने का लाभ बसपा को उसके कोर वोटरों की वापसी के तौर पर जरूर मिल सकता है। लेकिन यह उम्मीदवारों की जीत के लिए काफी नहीं होगा। बसपा की तरफ से इशारा होने के बाद जिलों में बसपा इकाइयों की कोशिश प्रत्याशियों के समर्थन में तेज हो गई है। साल 2014 के बाद से ही यूपी में चुनाव बाईपोलर हो रहे हैं। इस बार भी इसके त्रिकोणीय होने की संभावनाएं कम ही दिख रही हैं। ऐसे में मायावती और आकाश आनंद को पीछे ही रखने का फैसला लिया गया है, ताकि परिणामों को उनकी कोशिश के साथ जोड़कर न देखा जाए। पार्टी स्थितियां अपने लिए सामान्य होने तक इन दोनों नेताओं की साख पर सवाल नहीं खड़े होने देना चाहती है। जानकारों के मुताबिक जिस तरह साल 2024 के लोकसभा चुनाव के बीच से आकाश को एक झटके में किनारे करके उन्हें सुरक्षित किया गया था, उसी से इस फैसले को भी जोड़कर देखा जा रहा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हार को भूलकर आगे की राह करें आसान

सबसे बड़ी निराशा की बात यह है कि आगामी आने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल्स के लिए भारत की राह थोड़ी मुश्किल हो गई है। हालांकि टीम इंडिया को हार से निराशा में न आकर सबक सीख आगे के मैचों में खेलना चाहिए और फिर अपना परचम लहरा देना चाहिए। उधर बीसीसीआई को समीक्षा करते समय सावधानी बरतनी होगी ऐसा न हो सही खिलाड़ी बाहर हो जाए और खराब खिलाड़ी टीम में रह जाए।

घरेलू सीरीज में भारत की एकतरफा हार ने जहां क्रिकेट प्रेमियों को निराश किया है वहीं टीम इंडिया के मनोबल को फिर कम कर दिया है। जहां मैच में प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक पर सवालिया निशान लग रहे हैं वहीं कोच पर भी उंगलियां उठ रही हैं। सबसे बड़ी निराशा की बात यह है कि आगामी आने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल्स के लिए भारत की राह थोड़ी मुश्किल हो गई है। हालांकि टीम इंडिया को हार से निराशा में न आकर सबक सीख आगे के मैचों में खेलना चाहिए और फिर अपना परचम लहरा देना चाहिए। उधर बीसीसीआई को समीक्षा करते समय सावधानी बरतनी होगी ऐसा न हो सही खिलाड़ी बाहर हो जाए और खराब खिलाड़ी टीम में रह जाए। बोर्ड को सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू मैचों में खेलना आवश्यक कर देना चाहिए इससे न केवल खिलाड़ी के प्रदर्शन में परिवर्तन आएगा बल्कि टीम भी उम्दा बनेगी। दरअसल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू टेस्ट सीरीज गंवाकर भारतीय क्रिकेट को गहरा झटका लगा है। लगातार 18 घरेलू सीरीज जीतने का रिकॉर्ड तोड़कर न्यूजीलैंड ने न सिर्फ भारतीय टीम को बल्कि करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया है। भारतीय स्पिन आक्रमण, जो हमेशा से टीम की ताकत रहा है, इस सीरीज में बिलकुल प्रभावहीन रहा।

अपने घर में 12 बरसों तक अजेय बने रहना छोटी बात नहीं है। लगातार 18 घरेलू सीरीज जीतना ऐसा रेकॉर्ड है, जिसे ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज जैसी टीमें अपने शिखर पर रहते हुए भी हासिल नहीं कर पाई थीं। इसी रेकॉर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में भारत को 'द लास्ट फ्रंटियर' का रुतबा दिया। जाहिर है, जीत का सिलसिला कहीं तो थमना था। क्लाइव लॉयड और स्टीव वॉ जैसे कप्तान भी हारे हैं, लेकिन यह हार इसलिए चुभ रही है, क्योंकि भारतीय टीम अपने ही घर में और अपने ही हथियार, स्पिन बोलिंग से धराशायी हो गई। भारत के स्पिनर्स उस तरह प्रभावी नहीं हो सके, जैसे न्यूजीलैंड के। इक्का-दुक्का को छोड़कर हमारे बैटर्स भी नाकाम रहे। कहा जा रहा है कि टीम इंडिया कंडिशन समझने में विफल रही। पिछले कुछ समय में यह बात कई बार उठ चुकी है कि भारत में चुनिंदा मैदानों पर ही टेस्ट मैच आयोजित किए जाने चाहिए। इससे टीम को पता रहेगा कि मैच कहां होना है और वहां किस तरह की परिस्थितियां मिलेंगी। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी टीमें यही करती हैं। देशभर में घूम-घूमकर टेस्ट खेलने से टीम को नुकसान हो रहा। ऐसा लगता है कि भारतीयों से ज्यादा न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने माहौल को पढ़ लिया था। जीत तमाम कमियों को छुपा देती है, जबकि हार से हर जख्म खुल जाते हैं। फिलहाल टीम इंडिया के साथ यही मामला है। ऐसा कितनी बार हुआ है, जब लोअर ऑर्डर ने बैटिंग में टीम को संभाला। कई सीनियर तब भी कंसिस्टेंट नहीं थे। इस पूरी सीरीज में वह कमी खुलकर सामने आ गई। सीनियर्स के जिम्मेदारी लिए बिना टीम आगे नहीं बढ़ सकती।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियासी मंथन से मैली यमुना में बढ़ी कड़वाहट

अवधेश कुमार

हर साल छठ पर्व के समय दिल्ली में यमुना की प्रदूषित स्थिति और ज़हरीले तत्वों के कारण राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति बन जाती है। समाचार माध्यमों के लिए यह एक प्रमुख मुद्दा बन जाता है, जिसमें नेताओं और विशेषज्ञों के बयान भी शामिल होते हैं। हालांकि, इस विवाद के बीच यमुना की दुखद सच्चाई उजागर होती है। हर वर्ष यही परिदृश्य दोहराया जाता है, जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पाता। हाल ही में दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने यमुना में डुबकी लगाई, जिसका व्यापक प्रचार हुआ। इसके बाद उन्हें अस्पताल जाना पड़ा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यमुना का पानी कितना हानिकारक है। उनका यह स्टंट केवल नाटकीयता के लिए था, जबकि असलियत यह है कि यमुना के पानी की स्थिति से हर व्यक्ति परिचित है। छठ पर्व के दौरान हम महिलाओं और पुरुषों को गंदे और झागदार जल में डुबकी लगाते देखते हैं, लेकिन यह सोचने वाली बात है कि वे अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए किससे शिकायत करें।

इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। दिल्ली के पुराने लोग बताते हैं कि वे यमुना का पानी पीते थे, इसमें स्नान करते थे और इसका उपयोग खाना बनाने में करते थे। लेकिन आज की स्थिति यह है कि लोग यमुना के पानी को घर में पूजा-पाठ या किसी अन्य कर्म के लिए रखने का साहस भी नहीं जुटा सकते। कोई आस्थावान व्यक्ति भी नहीं चाहेगा कि उसके घर में पवित्रीकरण के लिए यमुना का जल हो। यह स्थिति न केवल यमुना के प्रदूषण को दर्शाती है, बल्कि हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति भी एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। हालांकि, यह नहीं सोचना चाहिए कि यमुना के जल पर निर्भर रहने वाले लोग दिल्ली में समाप्त हो गए हैं। यमुना के किनारे बसे पुराने लोग आज भी अपनी जीविका के लिए इस नदी में उतरते हैं, भले ही यह प्रदूषित हो। इन लोगों के स्वास्थ्य और जीवन पर इससे होने वाले प्रभावों पर शोध हुए हैं, जो चिंताजनक हैं। यमुना में गोताखोरों का एक बड़ा व्यवसाय रहा है, और आज भी यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

यमुना के प्रदूषण के कारणों और इसे ठीक करने के लिए आवश्यक कदमों पर कई सरकारी और गैर-सरकारी अध्ययन और रिपोर्टें उपलब्ध हैं। इनमें स्पष्ट है कि दिल्ली के कारखानों

से निकलने वाले ज़हरीले रसायन और दूषित जल यमुना में मिलते हैं। इसलिए आवश्यक है कि यमुना में आने वाले सभी प्रदूषित तत्वों का शुद्धीकरण किया जाए, ताकि नदी को पुनर्जीवित किया जा सके। दिल्ली में यमुना की लंबाई 22 किलोमीटर है, जो कुल 1370 किलोमीटर के दो प्रतिशत से भी कम है। फिर भी, यमुना के प्रदूषण में 80 प्रतिशत योगदान दिल्ली का है। सरकारों ने यमुना की शुद्धता के लिए धन आवंटन में कोई कमी नहीं की है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार, इस दो प्रतिशत हिस्से के शुद्धीकरण के लिए 8000 से 9000 करोड़ रुपये खर्च करने का अनुमान है। वर्ष 2023 की पहली छमाही में, केंद्र सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड को यमुना की सफाई के लिए लगभग 1200 करोड़ रुपये दिए, जिसमें नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के तहत 1000 करोड़ रुपये और यमुना एक्शन प्लान-3 के तहत 200 करोड़ रुपये शामिल हैं। जल शक्ति मंत्रालय ने 11 परियोजनाओं के लिए दिल्ली सरकार को 2361.08 करोड़ रुपये दिए हैं, जिनका उपयोग गंदे जल के शोध के लिए एसटीपी के निर्माण में होगा। नमामि गंगे योजना के तहत भी 4290 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली, जिससे यमुना के गंदे जल को शुद्ध करने के लिए 23 परियोजनाएं बनाई जाएंगी, जिनमें से 12 दिल्ली में होंगी। इन सभी प्रयासों के बावजूद, यमुना की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। यमुना के लिए आवश्यक एसटीपी निर्माण में दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता की कमी स्पष्ट है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कई बार साफ यमुना का वादा किया, लेकिन परिणाम असंतोषजनक हैं। सारा दोष केंद्र सरकार पर डालते हैं। राजनीतिक दलों—आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस—में विवेकशील नेताओं की कमी नहीं है। अगर ये दल मिलकर सभी 23 एसटीपी का संचालन और निर्माण अपने जिम्मे लें, तो समस्या का समाधान संभव है।

चालू एसटीपी की स्थिति को देखने और उन्हें फिर से सक्रिय करने की आवश्यकता है। साथ ही, गैर-सरकारी संगठनों को भी यमुना की सफाई में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, जैसे कि सामूहिक संकल्प लेना और कचरे के निस्तारण में सहयोग करना। यमुना की गंदगी के पीछे तीन प्रमुख कारण स्पष्ट हैं। पहला, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उत्पन्न गंदे जल का पूर्ण शोधन न किया जाना, जिससे यह सीधे यमुना में गिराया जाता है। यदि एसटीपी का निर्माण कर इस गंदे जल का सही तरीके से शोधन किया जाए, तो यमुना को प्रदूषण से बचाया जा सकता है।

अमेरिका के कड़वाहट भरे चुनाव अभियान के वैश्विक दांव

अशोक लवासा

कई साल पूर्व, एक चुटकुला प्रचलित था कि अमेरिकी डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टी के बीच अंतर वही है जो कोक और पेप्सी के बीच है। अब, लगता है कि दोनों अपनी-अपनी चटखारेदार झाग खो बैठे हैं और बृहद अपेक्षाओं के बीच, परस्पर विरोधी वैश्विक नजरिये और अलग-अलग दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। तरंगदायक स्वाद की जगह कड़ुवाहट ने ले ली है। अमेरिका में मतदाताओं के लिए, चिंता का विषय है बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, आव्रजन, आय-स्तर में असमान वृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं। सर्वेक्षणकर्ता लोकप्रिय रुझान को मापने के तरीकों के आधार पर भविष्य का अनुमान लगाने में व्यस्त हैं तो सट्टेबाज सिंडिकेट वांछित परिणाम पाने पर नजर गड़ाए हुए हैं। इस रस्साकशी में अमेरिकी मतदाता फंसा हुआ है, तो शेष दुनिया चुनाव परिणाम का अन्य क्षेत्रों एवं वैश्विक भू-राजनीति पर असर क्या रहेगा, इसको लेकर पसोपेश में है।

पश्चिमी एशिया की स्थिति अमेरिकी प्रशासन के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि वैश्विक तेल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है और अपनी तेल आपूर्ति सुरक्षा के लिए अमेरिका भी इस क्षेत्र पर निर्भर है। तेल की वैश्विक मांग और आपूर्ति संतुलित करने में पश्चिम एशिया की भूमिका अहम है। तेल एवं क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे, सऊदी अरब के साथ अमेरिका के संबंध और इस क्षेत्र पर इस्राइल-गाजा संघर्ष के नतीजे बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस संभावना को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस में कौन पश्चिम एशिया की स्थिति को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर सकता है, खासकर जबकि गाजा या वेस्ट बैंक में फलस्तीनी इलाका छिनने पर असंतोष बढ़ सकता है। दूसरा क्षेत्र जो सर्वाधिक प्रभावित होने की संभावना है, वह है लैटिन अमेरिका, जहां चीन का बढ़ता प्रभाव साफ देखा जा रहा है। पहले इस क्षेत्र को अमेरिका परस्त माना जाता था, परंतु इसमें चीन की भूमिका तेजी से बढ़ी है, जिसका नेतृत्व उसकी सरकारी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और अंतरिक्ष उद्योगों में निवेश से हुआ।

चीन दक्षिण अमेरिकी मुल्कों का शीर्ष व्यापारिक साझेदार है, जिसके चिली, कोस्टारिका, इक्वाडोर और पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, इसके अलावा 21 लैटिन अमेरिकी देश चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' में शामिल हैं। चीन ने लैटिन अमेरिकी मुल्कों के साथ कच्चे माल के क्षेत्र में लगभग 73 बिलियन डॉलर का निवेश किया है, जिसके तहत कोयला, तांबा, प्राकृतिक गैस, तेल और यूरेनियम समृद्ध देशों में रिफाइनरियां और प्रसंस्करण संयंत्र बनाना शामिल है। चीन ने अर्जेंटीना, बोलीविया और चिली में लिथियम उत्पादन और वाणिज्यिक बंदरगाहों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे प्रोजेक्ट में भी निवेश किया है। अमेरिका के लिए चिंता की बात यह हो सकती है कि चीन के ध्यान का केंद्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और 5-जी तकनीक जैसे 'नवीनतम बुनियादी ढांचा' निर्माण है और इसके साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की तगड़ी कोशिशें करना भी है।

लैटिन अमेरिका के लिए प्रमुख मुद्दा आव्रजन है, जो कि स्पष्ट रूप से लगातार जोर पकड़ रहा है, जैसा कि अमेरिकी सीमा पर हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या से देखा जा सकता है। नशे के खिलाफ अमेरिकी प्रशासन की लड़ाई उन लैटिन अमेरिकी देशों को भी प्रभावित करती है, जो भले ही स्वयं उत्पादक न हों, लेकिन अमेरिका में ड्रग और मानव तस्करी के लिए गलियारे के रूप में उपयोग किए जाते हैं। कोलंबिया के पत्रकार डायना ड्यूरन के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए लैटिन- अमेरिका का महत्व समझने की जरूरत है। सितंबर में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच बहस के दौरान अमेरिका-रूस संबंधों का सवाल उठा था। जो बात अमेरिका को परेशान कर रही है, वह यह कि सोवियत संघ के विघटन के बाद, उम्मीद थी नया रूस उदार, लोकतांत्रिक और अपने पड़ोसियों के लिए मददगार होगा। रूस का उद्भव -विशेषतया पुतिन के नेतृत्व में - महाशक्ति बनने को अग्रसर देश के रूप में, अमेरिका की उम्मीदों को सालता है, जिससे संभावित आपसी सहयोग, संभावित संघर्ष में बदल गया है।

जहां अमेरिका रूस को नजरअंदाज नहीं कर सकता वहीं रूस अमेरिकी चुनावों को लेकर बेपरवाह लगता है। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, रूसियों के लिए हैरिस अपेक्षाकृत अनजान हैं। हालांकि उनसे उम्मीद है कि वे बाईडेन के दृष्टिकोण को जारी रखेंगी, लेकिन ट्रम्प को एक 'मित्र' के रूप में जाना जाता है और तरजीह दी जाती है। बॉब वुडवर्ड की नवीनतम पुस्तक : 'वॉर' में ट्रम्प और पुतिन के बीच गुप्त बातचीत का जिक्र है, जिससे आशंका बलवती होती है कि ट्रम्प रूस को रियायतें दे सकते हैं। इससे रूस को यूक्रेनी संकट से निपटने में मदद संभव है, इसके अलावा रूस की ऊर्जा संसाधन संपन्नता के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने में इसके बढ़ते महत्व से जोड़ा जा सकता है। यही वजह कि प्रतिबंधों के बावजूद वह कई एशियाई व यूरोपीय देशों संग अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने में सक्षम रहा। जहां तक चीन का सवाल है, माना जाता है कि व्यापार, ताइवान और स्वच्छ ऊर्जा पर चुनाव परिणाम के संभावित प्रभाव को लेकर बीजिंग का 'थिंक टैंक' सावधानी से अध्ययन कर रहा होगा। व्यापारिक संबंधों को लेकर, चीन में कुछ लोग हैरिस की तुलना में ट्रम्प का पक्ष लेते हैं, लेकिन अधिकांश को लगता है कि रिश्ते मुख्यत: वास्तविक आर्थिक सोच से तय होंगे।

फेफड़ों को स्वस्थ रखेंगे ये योगासन

फेफड़े हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं, क्योंकि फेफड़ों को स्वस्थ बॉडी की फंक्शनिंग को मेंटेन करने के लिए हमारे फेफड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फेफड़ों के जरिए ही वातावरण में मौजूद हवा फिल्टर होकर ऑक्सीजन के रूप में खून के कतरे-कतरे तक पहुंती हैं और कार्बनडायऑक्साइड बॉडी से बाहर आती है। इसलिए फेफड़ों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि खराब फेफड़ों के कारण सांस लेने में दिक्कत, अस्थमा, क्रोनिक डिजीज और फेफड़ों का कैंसर भी हो सकता है। योगासन फेफड़ों को मजबूत और स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। ये आसन न केवल फेफड़ों की क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि शरीर में ऑक्सीजन का संचार भी बेहतर करते हैं। ऐसे में योगासन करने से फेफड़ों में जमती पॉल्यूशन की गंदगी को साफ करने में मददगार साबित हो सकता है। साथ ही ये योगासन फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने में भी आपकी मदद कर सकते हैं।

योगासन न केवल फेफड़ों की क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि शरीर में ऑक्सीजन का संचार भी बेहतर करते हैं

धनुरासन

इस आसन को फेफड़ों के लिए बहुत ही लाभकारी माना जाता है। यह फेफड़ों के विस्तार को बढ़ाता है और उन्हें मजबूत बनाता है। साथ ही इस आसन से फेफड़ों में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है। धनुरासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर, अपने पैरों को पीछे से पकड़ें और शरीर को धनुष की तरह खींचें। इस मुद्रा में कुछ सेकंड रहें और धीरे-धीरे छोड़ें। इस आसन के अभ्यास से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए इसको करते समय पैरों को पकड़ कर पेट के सहारे उसी स्थिति में अपने शरीर को दाएं-बाएं व ऊपर-नीचे कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यास के समय शरीर को चक्रासन की स्थिति में लाकर एक पैर को ऊपर उठाते हुए भी कर सकते हैं। इस आसन को अच्छी तरह से सीख कर ही करना चाहिए। इस आसन को खाली पेट करें। इस आसन को उच्च रक्तचाप, अल्सर तथा हार्निया वाले रोगियों को नहीं करना चाहिए। सका अभ्यास योग आसन के जानकार की देखरेख में करें। जिसे डिस्क (कमर दर्द) व रीढ़ की हड्डी में दर्द हो उसे इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। इसका अभ्यास योग आसन के जानकार की देखरेख में करें। जिसे डिस्क (कमर दर्द) व रीढ़ की हड्डी में दर्द हो उसे इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

भस्त्रिका प्राणायाम

भस्त्रिका शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका मतलब होता है धौंकनी। धौंकनी के जरिए लोहार तेज हवा छोड़कर, लोहे को तपाता और उसकी अशुद्धियां दूर करता है। उसी प्रकार भस्त्रिका प्राणायाम शरीर के अंदर मौजूद सभी नकारात्मकता और अशुद्धता को खत्म करने के लिए धौंकनी का काम करता है। यह प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाता है और ऑक्सीजन के प्रवाह में सुधार करता है। इस योग को करने से गले से संबंधित सभी तकलीफें खत्म हो जाती हैं। इन सब के अलावा भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ावा देकर कार्बनडाईऑक्साइड के स्तर को कम करने में भी मदद करता है। इस आसन के अभ्यास से फेफड़ों की सफाई होती है और बलगम जैसी समस्याएं दूर होती हैं। भस्त्रिका प्राणायाम करने के लिए सबसे पहले किसी भी शांत वातावरण में सिद्धासन, वज्रासन या पद्मासन में बैठ जाएं। इस दौरान अपनी गर्दन, शरीर और सिर को सीधा रखें। इसके बाद अपनी आंखें और मुंह बंद कर लें। धीरे-धीरे सांस खींचते हुए अपनी सांस को बलपूर्वक छोड़ दें।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति फेफड़ों के लिए एक अद्भुत योगासन है। यह फेफड़ों को शुद्ध करने के साथ ही उनमें जमे अवांछित तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा ये फेफड़ों और वायु मार्ग की सूजन को कम करने में भी असरदार है। कपालभाति करने के लिए सबसे पहले वज्रासन या पद्मासन में बैठ जाएं। इसके बाद अपने दोनों हाथों से चित्त मुद्रा बनाएं और इसे अपने दोनों घुटनों पर रखें। इस आसन के अभ्यास के लिए नाक से तेज सांस छोड़ते हुए पेट को अंदर की ओर खींचें। इसे 10-15 मिनट तक करें। ऐसे में अस्थमा से पीड़ित लोगों को कपालभाति करने की सलाह दी जाती है। ये उन्हें वायु प्रदूषण से होने वाले जोखिमों से सुरक्षित रखने में मददगार साबित हो सकता है।

हंसना मना है

प्रेमी (प्रेमिका से)-तुझमें रब दिखता है, यारा मैं क्या करूं? प्रेमिका- करना क्या है, पैसा फेंको, माथा टेको और चलते बनो और भी भक्त लाइन में हैं।

प्रेमिका- क्या तुम मुझे बेहद प्यार करते हो ? प्रेमी- हां, प्रिये, मैं तुम्हारे लिये जान तक दे सकता हूं। प्रेमिका- जान मत दो, पर कल क्या सौ का एक नोट दोगे? प्रेमी- प्रिये ! प्यार मोहब्बत में पैसे नहीं मांगा करते हैं।

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय, मैं एक बात पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय, मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं, मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

युवक- डार्लिंग, क्या मैं पहला शख्स हूं जिसने कि तुमसे प्यार किया है? युवती - हां, भई हां ! पता नहीं तुम सारे मर्द लोग यहीं एक सवाल क्यों पूछते हो।

लड़की - हेलो बेबी... तुम्हारी याद आ रही थी... लड़का - अभी सैलरी नहीं आई है मेरी...लड़की - अच्छा चलो... पापा आ गए...

कहानी | बिल्ली और चूहा

एक बिल्ली बहुत ही चालाक और चौकस थी और उसकी इसी चालाकी और चौकसी को देखकर चूहे भी सावधान हो गये थे और अब चूहे बिल्ली के हाथ नहीं आ रहे थे। जिससे बिल्ली भूख के मारे तड़पने लगी। एक भी चूहा उसके हाथ नहीं आता था, भूख से बचने के लिए बिल्ली योजना बनाने लगी। तभी उसके दिमाग में कुछ आया और वो एक टेबल पर उल्टी लेट गई। उसने सभी चूहों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि वो मर चुकी है। सारे चूहे बिल्ली को ऐसे लेटा हुआ अपने बिल से ही देख रहे थे। उन्हें पता था कि बिल्ली बहुत चालाक है, इसलिए उनमें से कोई भी चूहा अपने बिल से बाहर नहीं आया। लेकिन, बिल्ली भी बहुत देर तक उसी टेबल पर उल्टी लेटी रही। धीरे-धीरे चूहों को लगने लगा कि बिल्ली मर चुकी है। वो जश्न मनाते हुए अपने बिल से निकलने लगे। चूहे जैसे ही बिल्ली की टेबल के पास पहुंचे, उसने दो चूहे पकड़ लिए। बिल्ली ने इस बार तो अपने पेट को भर लिया, लेकिन चूहे अब और भी ज्यादा सतर्क हो गए। क्योंकि चूहे अब बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतना चाहती थे। इस बार पेट भरने के लिए एक बार फिर बिल्ली को योजना बनानी थी। इस बार बिल्ली ने अब खुद को पूरे आटे से ढक लिया। चूहों ने सोचा कि वह आटा है और उसे खाने के लिए आ गए। लेकिन एक बूढ़े चूहे ने उन्हें रोक दिया। उसने ध्यान से आटा देखा, तो उसे उसमें बिल्ली का आकार दिखने लगा। तभी बूढ़े चूहे ने कहा सब अपने बिल में चले जाओ। यहां आटे में बिल्ली छुपी है। यह सुनकर सारे चूहे अपने बिल में चले गए। जब बहुत देर तक एक भी चूहा नहीं आया तो बिल्ली थकने की वजह से उठ गई। इस तरह बूढ़े चूहे ने सारे चूहों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

वृषभ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जल्दबाजी से हानि संभव है।

मिथुन

आज घरेलू काम में गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कर्क

व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

कन्या

किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक

निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

धनु
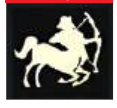
व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है।

मकर

कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ

आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

मीन

बुद्धि का प्रयोग करें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मीनाक्षी ने बयां किया दर्द, कहा- निर्देशक ने मुझे मेरी फीस नहीं दी

मीनाक्षी शेषाद्रि अस्सी और नब्बे के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने अपने करियर के शीर्ष पर कई बड़े कलाकारों और निर्देशकों के साथ काम किया है। हाल में ही उन्होंने निर्देशक राहुल रवैल के साथ जुड़ा अपना एक वाकया साझा किया है, जब उन्होंने अभिनेत्री को फिल्म में काम देने के बाद उनके द्वारा मांगी गई फीस देने से मना कर दिया था। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने ये कह कर मना कर दिया कि रवैल के साथ काम करना ही काफी है। मीनाक्षी ने कहा, राहुल रवैल जी मुझसे मिलने आए थे। मैंने सोचा कि मैं ऐसे डायरेक्टर के साथ काम करूंगी, जिन्होंने बेताब, अर्जुन और लव स्टोरी जैसी फिल्में बनाई हैं। उन्होंने मुझे साफ-साफ बताया कि डकैत में सनी मुख्य भूमिका में होंगे और उनके परिवार को फिल्म में ज्यादा महत्व दिया जाएगा, लेकिन जो 5-6 सीन और 2-3 गाने होंगे, वे बहुत अच्छे होंगे और उनका कंटेंट दमदार होगा और मैं अपनी हीरोइनों को बहुत खूबसूरती से पेश करने में यकीन रखता हूं। तब मैंने उनसे कहा कि उन्हें मुझे मनाने की जरूरत नहीं है। अभिनेत्री ने आगे अपना दिल दुखाने वाला वाकया साझा करते हुए बताया, हालांकि, साइनिंग के दौरान उन्होंने मुझे रुला दिया। उन्होंने मुझे मेरी कीमत देने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं तुम्हें कीमत नहीं दूंगा। तुम मेरे साथ काम कर रही हो, यही तुम्हारी कीमत है। मैं जो भी दूंगा, उसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लेना। मैं उनकी इतनी बड़ी प्रशंसक थी कि मैं रोते हुए भी मुस्कुराई और उनकी बात मान गई। मीनाक्षी शेषाद्रि ने 1980 के दशक में हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। उन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, जीतेंद्र, विनोद खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे कई सुपरस्टार्स के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने 1996 में अपनी निजी जिंदगी पर ध्यान देने के लिए फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी और अमेरिका में बस गईं। अब लगभग 27 वर्षों के बाद, मीनाक्षी वापसी करने के लिए उत्सुक हैं।

परिणीति चोपड़ा ने शुरू की नई फिल्म की तैयारी

अमर सिंह चमकीला में दिखी थीं परिणीति

त्योहारों का मौसम खत्म होने के बाद अब फिल्म सितारे काम पर लौटने लगे हैं। परिणीति चोपड़ा भी इन्हीं कलाकारों में से एक हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने परिवार के साथ दिवाली मनाने के बाद काम शुरू कर दिया। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी है।

परिणीति ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा करते हुए जानकारी दी है कि वह अपनी आगामी प्रोजेक्ट की तैयारी कर रही हैं। साथ ही, उन्होंने अपने नए लुक से भी लोगों को रूबरू करवाया, जो उनकी अगली फिल्म में दर्शकों को देखने को मिलेगा। दरअसल, अभिनेत्री ने

किरदार की वजह से अपने बालों को कलर करवाया है। तस्वीरों में उन्हें नए रंग के बालों के साथ काफी खुश देखा जा सकता है। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, नई फिल्म, नए बाल... तैयारी शुरू। इस पोस्ट के कुछ ही देर में प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में परिणीति को शुभकामनाएं देनी शुरू कर दीं। एक प्रशंसक ने लिखा, बहुत उत्साहित हूं, शुभकामनाएं, परी। एक अन्य ने लिखा, ऑल द बेस्ट परिणीति।

परिणीति को आखिरी बार अमर सिंह चमकीला में देखा गया था। इस फिल्म में वह दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आई थीं। इम्तियाज अली ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। अमर सिंह चमकीला ने पंजाब के मूल रॉकस्टार की अनकही सच्ची कहानी पेश की थी, जो गरीबी की छाया से उभरकर 80 के दशक में अपने संगीत की शक्ति के कारण लोकप्रियता की ऊंचाइयों पर पहुंचे।

रामायण में रणबीर कपूर के साथ सीता के किरदार में नजर आएंगी साई पल्लवी

अमरन की सफलता का आनंद ले रहीं साई पल्लवी ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने लिए एक अलग पहचान बना ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद, अब साई, रणबीर कपूर अभिनीत रामायण से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। इतने शानदार करियर के साथ, साई पल्लवी की संपत्ति अच्छी खासी है, जो उनकी उनकी सफलता को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, साई पल्लवी की वर्तमान कुल संपत्ति लगभग 47 करोड़ रुपये है। उनकी संपत्ति

फिल्म रामायण से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमरन अभिनेत्री एक फिल्म के 2.5 करोड़ से 3 करोड़ रुपये लेती हैं। हालांकि, उन्होंने नितेश तिवारी की रामायण में अपनी भूमिका के लिए 6 करोड़ रुपये की डिमांड की है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फिल्म बड़े पैमाने पर है। इस फिल्म में साई के अलावा रणबीर कपूर और केजीएफ स्टार यश के होने की भी संभावना है।

पल्लवी की आने वाली फिल्में

हाल ही में साई पल्लवी ने शिवकार्तिकेयन अभिनीत अमरन में सिंधु रेबेका वर्गीस की भूमिका निभाई। दर्शकों ने फिल्म में उनके अभिनय की सराहना की और उनकी खूब तारीफ की। काम की बात करें तो साई के पास पाइपलाइन में कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। साई पल्लवी नागा चैतन्य के साथ थंडेल में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। दूसरी ओर, वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

का एक बड़ा हिस्सा मलयालम, तेलुगु और तमिल सिनेमा में उनकी फिल्मों से आता है। वह कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट भी करती हैं। साई ने हाल ही में सुर्खियां बटोरीं क्योंकि उन्होंने पहले कई ब्रांड एंडोर्समेंट को अस्वीकार कर दिया था।

अजब-गजब | दीपावली की पड़वा पर आयोजित होता है अनोखा कार्यक्रम

इस मंदिर में लगती है सांपों की अदालत सांप पीड़ित को काटने का बताते हैं कारण

हमारे देश में कई जगहों पर अलग-अलग परंपराएं निभाई जाती हैं। इनमें से कई परंपराएं बहुत विचित्र होती हैं। ऐसी ही एक हैरान कर देने वाली परंपरा मध्य प्रदेश के सीहोर जिले से सामने आई है। दरअसल, सीहोर जिले के लसूड़िया परिहार गांव में दिवाली के अगले दिन एक अनोखी अदालत लगती है। यह अदालत इंसानों की नहीं बल्कि सांपों की होती है। इस अनोखी अदालत में सांपों के काटे हुए लोगों को सांप खुद काटने का कारण बताते हैं।

यह अनोखी अदालत यहां के बाबा मंगलदास के मंदिर में लगती है और परंपरा कई सालों से चली आ रही है। सबसे पहले मंदिर में विशेष अनुष्ठान किया जाता है। इसके बाद वहां एक थाली रखी होती है, जिस पर सांप की आकृति बनी होती है। जैसे ही उस थाली को नगाड़े की तरह बजाया जाता है और पुजारी मंत्रोच्चार करते हैं, वैसे ही उन लोगों पर असर दिखने लगता है, जिन्हें कभी सांप ने काटा हो। लोगों के शरीर में नाग देवता की उपस्थिति महसूस होती है और वो बताने लगते हैं कि उन्हें किस कारण डसा गया था।

साल में एक बार लगने वाली इस सांपों की

अदालत में सर्प दंश पीड़ितों का निःशुल्क इलाज किया जाता है। सर्पदंश पीड़ितों को मंत्रोच्चार के इलाज के बाद एक धागा जिसे बंधेज कहते हैं, उससे बांधा जाता है। दीपावली की पड़वा पर बंधेजधारी महिला-पुरुष को सांपों की इस अनूठी पेशी में आना पड़ता है। एक-एक कर सभी पीड़ितों को पंडित के सामने ले जाया जाता है। माना जाता है कि पीड़ित के शरीर में उस समय वह नाग होता है। पंडित उस नाग से सवाल पूछते हैं क्यों काटा। इस परंपरा के अनुसार, जिन लोगों को सालभर में कभी भी सांप ने काटा होता है, वो दीपावली के अगले दिन इस मंदिर में आते हैं। यहां पुजारी द्वारा विशेष मंत्र पढ़े जाते हैं और व्यक्ति के गले में बेल बांधकर जहर को उतराने की प्रक्रिया की जाती है। यह अनोखी अदालत करीब 100 साल से भी ज्यादा समय से लगती आ रही है। श्रद्धालु इस परंपरा को देख हैरान रह जाते हैं, लेकिन इस पर अटूट विश्वास भी करते हैं। यह परंपरा एक अनोखी धार्मिक आस्था और सांपों के प्रति गहरे विश्वास की कहानी है।

कौवे भी लेते हैं बदला! 17 साल तक याद रखते हैं चोट पहुंचाने वाले इंसान का चेहरा

आपने कई ऐसी फिल्में देखी होंगी, जिनमें जानवर उन इंसानों से बदला लेते हैं। फिल्मों में कई बार सांप को बदला लेते देखा होगा। आपने फिल्मों में देखा होगा कि जब कोई इंसान किसी जानवर को चोट पहुंचाता है तो वह जानवर उसे याद रखता है और बाद में उस इंसान से बदला लेता है। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा तो सिर्फ फिल्मों में होता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक ऐसा दावा किया है, जिसके बारे में सोचकर आप हैरान रह जाएंगे। वैज्ञानिकों का दावा है कि कौवे भी बदला लेते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर कभी कौवों ने इंसानों से दुश्मनी मोल ली, तो वो कई सालों तक याद रखते हैं। कौवे भी बदला लेते हैं। बर्ड्स एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर किसी इंसान से कौवों की दुश्मनी हो गई, तो वो करीब 17 सालों तक उस इंसान को याद रखते हैं और बदला लेने की कोशिश में लगे रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन के प्रोफेसर जॉन मारजलुफ एक एनवायरोमेंटल साइंटिस्ट हैं। उन्होंने काफी शोध के बाद बदला लेने वाले कौवों पर जानकारी जुटाई है। प्रोफेसर जॉन मारजलुफ ने वर्ष 2006 में एक एक्सपेरिमेंट किया था। इसमें उन्होंने एक दैत्य का मास्क पहना और फिर 7 कौवों को एक जाल में फांसकर पकड़ लिया। प्रोफेसर ने पक्षियों के ऊपर पहचान के लिए बैंड बांध दिए थे। कुछ ही पल में उन्होंने बिना चोट पहुंचाए कौवों को आजाद भी कर दिया। लेकिन जॉन ने दावा किया कि छूटने के बाद भी उन कौवों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। जब भी वो मास्क पहनकर यूनिवर्सिटी कैंपस में निकलते, कौवे उनके ऊपर हमला कर देते। उन्होंने अपने शोध से पाया कि पक्षियों के दिमाग में भी एक ऐसा हिस्सा होता है, जो स्तनधारियों के एमिगडाला से मिलता जुलता है। एमिगडाला, दिमाग का वो हिस्सा है, जो इमोशन्स को प्रोसेस करता है। प्रोफेसर को यह देखकर हैरानी हुई कि पक्षी, इंसानों की छोटी से छोटी हरकत पर भी गौर करते हैं, यहां तक कि चेहरे भी पहचानते हैं। उन्हें हैरानी हुई कि उन कौवों के झुंड में बाकी कौवे भी उनके ऊपर हमला करने लगे। ये सिलसिला 7 सालों तक चलता रहा। 2013 के बाद से ऐसा हुआ कि कौवों की हिंसा कम होती गई। पिछले साल सितंबर में जब वो टहलने निकले, तब इस घटना को 17 साल हो चुके थे। तब पहली बार ऐसा हुआ कि वो मास्क पहनकर निकले और कौवों ने उन्हें देखकर न आवाज लगाई न ही हमला किया। अब प्रोफेसर जॉन अपने शोध को पब्लिश करने की योजना बना रहे हैं।

सिस्टम की खामी पर सरकार पर बरसे राहुल

अपने संसदीय क्षेत्र में दिशा की बैठक में लिया भाग

» नेता प्रतिपक्ष ने रायबरेली से जुड़ी 410 करोड़ की परियोजनाओं की जांच कराने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र में थे। इस दौरे में वह अपने जिले के विकास से संबंधित सरकार की बैठक में अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक के दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों की जमकर क्लास ली। नेता प्रतिपक्ष ने रायबरेली से जुड़ी 410 करोड़ की परियोजनाओं की जांच कराने का निर्देश देने और महिला हेल्पलाइन पर कॉल करके अपने तेवर दिखाए इसी से उन्होंने सियासी निहितार्थ भी साधे।

उन्होंने सरकारी सिस्टम की न सिर्फ बखिया उधेड़ी बल्कि विपक्ष की भूमिका निभाते हुए ताकत का अहसास भी कराने का प्रयास किया। यह पूरी कवायद किसी न किसी रूप में उनके सियासी जमीं को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। अमेठी सांसद रहते वक्त आमतौर पर राहुल गांधी प्रशासनिक बैठकों से दूर रहे, लेकिन रायबरेली से सांसद चुने जाने के बाद वह लगातार यहां के लोगों से अपने रिश्तों की डोर मजबूत कर रहे है।

युवक की हत्या होने पर मौके पर पहुंचते हैं तो मंगलवार को सिर्फ दिशा की बैठक में हिस्सा लेने आते हैं। न कार्यकर्ताओं के साथ बैठक और न ही उपचुनाव के मद्देनजर कोई जनसभा की। नेता प्रतिपक्ष ने महिलाओं के बारे में पूछा और उनसे जुड़ी हेल्पलाइन 181 पर फोन मिलाया, तीन बार कॉल करने के बाद भी कॉल न उठने पर अफसरों को लताड़ लगाया और विभिन्न कार्यों से जुड़ी परियोजनाओं की गुणवत्ता की जांच कराने का निर्देश दिया साथ ही उज्जवला के लाभार्थियों की रिपोर्ट तलब किया, मनरेगा के भुगतान की सूची मांगी।

राहुल और दिनेश सिंह में आपस में नहीं हुई बात

बहन प्रियंका गांधी पर टिप्पणी के बाद सांसद राहुल गांधी और प्रदेश के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह का पहली बार आमना-सामना हुआ। दोनों नेताओं की आंखें तो मिली, लेकिन उनके दिल मिलते नहीं दिखे। न ही इस दौरान उनमें कोई गर्मजोशी दिखी। दिशा की बैठक के दौरान राहुल और दिनेश की कुर्सियां आसपास थी। राहुल गंभीर मुद्रा ही रहे। सीधे तौर पर उन्होंने दिनेश से कोई बात नहीं की। इतना जरूर रहा कि बैठक के दौरान जो भी सवाल हुए, उसका जवाब राहुल ने दिया। एक वक्त था कि प्रदेश के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह गांधी परिवार के सबसे अहम करीबी माने जाते थे। वर्ष 2019 में दिनेश ने कांग्रेस को झटका देते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा का दामन थाम लिया था। भाजपा ज्वाइन करने के बाद दिनेश को मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। तब से गांधी परिवार और दिनेश के बीच की दिलों की जो दूरियां हुई, वह आज तक कम नहीं हो पाई हैं।

दिशा की बैठक करीब दो घंटे चली

दिशा की बैठक करीब दो घंटे चली। बैठक के बाद राहुल जब चले गए तो दिनेश सिंह ने उन पर हमलावर हो गए। पहले दिनेश ने चुप्पी साध रखी थी। दिशा की बैठक में सांसद राहुल गांधी के सामने सवाल उठे, लेकिन ज्यादातर सवालों का जवाब अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने दिए। एक तरह से अमेठी सांसद केएल शर्मा बैठक में राहुल का भरपूर साथ देते नजर आए। बैठक में विधायक डॉ. मनोज पांडे, उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जो भी सवाल किए। उस पर राहुल की जगह अमेठी सांसद ने जवाब दिए।

भाजपा ने राज ठाकरे को दिया बड़ा झटका

» बेटे अमित ठाकरे को नहीं देगी समर्थन

» सिर्फ शिवडी विधानसभा सीट तक ही सीमित है समर्थन : शेलार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

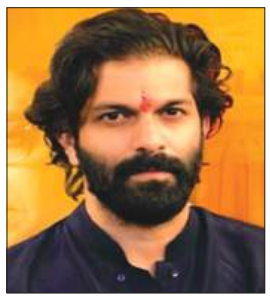

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में माहिम सीट को लेकर बीजेपी ने बड़ा फैसला किया है। पार्टी इस सीट पर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को समर्थन नहीं देगी। बीजेपी नेता आशीष शेलार ने ये साफ कर दिया है। बीजेपी महाराष्ट्र में सिर्फ एक सीट पर राज ठाकरे की पार्टी को समर्थन कर रही है और वह सीट उनके बेटे अमित ठाकरे की नहीं है. वह सीट मुंबई की शिवडी है, जहां पर एमएनएस नेता बाला नांदगांवकर चुनाव लड़ रहे हैं।

इसके पहले बीजेपी ने माहिम सीट, जहां से राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे अपना पहला चुनाव लड़ रहे हैं, उस सीट पर समर्थन की बात कही थी, लेकिन, अब बीजेपी का स्टैंड बदला है और वह कह रही है कि महाराष्ट्र में सिर्फ एक सीट पर वह एमएनएस का समर्थन करेगी और वह बाला नांदगांवकर की सीट है। आशीष शेलार ने कहा, मैं आप सब कार्यकर्ता और मीडिया के माध्यम से आप सबको बता रहा हूं, ये (बीजेपी का समर्थन) सिर्फ शिवडी विधानसभा सीट तक ही सीमित है, हाल ही में मैंने माहिम के बारे में बोला था, उसे पूरे महाराष्ट्र के बारे में आपने फैला दिया। अब सिर्फ शिवडी के बारे में बोल रहा हूं, इसे पूरे महाराष्ट्र के बारे में मत समझना।

बहराइच नोटिस मामला: कोर्ट ने योगी सरकार से मांगा जवाब

» ध्वस्तीकरण मामले में भवन स्वामियों को 11 नवंबर तक राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार को मौखिक निर्देश दिया कि फिलहाल ऐसी कोई कार्रवाई न करें जो कानून सम्मत न हो। उधर, सरकारी वकीलों ने भी कानून सम्मत करवाई करने का आश्वासन दिया। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को चार बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने और याची को इनपर आपत्तियां दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई 11 नवंबर को नियत की है।

हालांकि, मामले में कोर्ट ने अभी कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है लेकिन, फिलहाल ध्वस्तीकरण नोटिस मामले में 11 नवंबर तक कथित भवन स्वामी को राहत रहेगी। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ के समक्ष एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स संस्था की जनहित याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। याचिका में बहराइच के कथित भवन स्वामी को बीते 17 अक्तूबर को जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देकर इन्हे रद्द करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या नोटिसें जारी करने से पहले वहां कोई सर्वे किया गया था या नहीं?

भाजपा अटल को मानती तो जम्मू कश्मीर का न होता ये हाल : उमर

» बोले- पूर्व पीएम ने असफलता के बावजूद बार-बार बढ़ाया दोस्ती का हाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण को अपनाया होता तो तत्कालीन जम्मू-कश्मीर आज इस स्थिति में नहीं होता। विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित करने के दौरान उमर ने पूर्व प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि वाजपेयी ने हमेशा जम्मू-कश्मीर में स्थिति सुधारने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन्हें (वाजपेयी) जानता हूं और उनके साथ मंत्री के रूप में काम किया है।

जब हम वाजपेयी को याद करते हैं तो हम उन्हें जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में याद करते हैं। उन्होंने हमेशा जम्मू-कश्मीर में स्थिति सुधारने और तनाव कम करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा, जब वाजपेयी 1999 में पहली दिल्ली-लाहौर बस से पाकिस्तान गए थे तो उन्होंने मीनार-ए-पाकिस्तान का दौरा किया था जो आसान नहीं था। उन्होंने असफलताओं के बावजूद बार-बार दोस्ती का हाथ बढ़ाया। उन्होंने नियंत्रण रेखा के पार के रास्तों को खोलने के लिए काम किया, जिन्हें बाद में फिर बंद कर दिया गया। उन्होंने नागरिक समाज को करीब लाने की कोशिश की।

पक्ष-विपक्ष में तकरार, भाजपा ने खारिज किया प्रस्ताव

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज एक बड़े राजनीतिक हंगामे का दृश्य देखा गया जब उपमुख्यमंत्री सुंदर चौधरी ने राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के लिए केंद्र सरकार से बातचीत करने के प्रस्ताव का समर्थन करने हेतु एक प्रस्ताव पेश किया। हालांकि, यह प्रस्ताव विधानसभा में भारी हंगामे का कारण बना, जिसमें भाजपा और अन्य विपक्षी दलों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में यह प्रस्ताव पेश किया कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा फिर से बहाल किया जाए और इसके लिए केंद्र सरकार से वार्ता की जाए। वहीं, भाजपा ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे कानूनी दृष्टिकोण से अमान्य बताया, और कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद यह प्रस्ताव कोई वैधानिक ताकत नहीं रखता। भाजपा के नेता और विधानसभा में विपक्षी नेता सुरिंदर चौधरी ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि यह किसी कानूनी संविदानिक आधार पर नहीं है, क्योंकि राज्य का विशेष दर्जा खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम देशविरोधी एजेंडा को बढ़ावा देने जैसा है।

आईपीएल : 24 व 25 नवंबर को होगी मेगा नीलामी

» सऊदी अरब में होगा नीलामी का आयोजन

» 1574 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए किया रजिस्ट्रेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी का एलान कर दिया गया है। आईपीएल ने बताया कि मेगा नीलामी का आयोजन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दाह में होगा। आईपीएल की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबकि, 1574 खिलाड़ियों ने मेगा नीलामी के लिए चार नवंबर तक रजिस्टर किया है। 1165 भारतीय और 409 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें 30 सहयोगी राष्ट्र के खिलाड़ी भी हैं।

आईपीएल के लिए सबसे ज्यादा दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने रजिस्टर किया है। इनकी संख्या 91 बताई गई है। 31 अक्तूबर को सभी फ्रेंचाइजियों ने मेगा नीलामी से पहले रिटेंशन लिस्ट जारी की थी। 10 टीमों ने कुल 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया। इसके बाद 204 खिलाड़ियों की जगह खाली हो गई है। इन स्थानों के लिए 1500 से ज्यादा खिलाड़ी नीलामी में अपनी किस्मत आजमाएंगे। बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले पहले टेस्ट मैच से मेगा नीलामी की तारीख टकरा रही है। दोनों टीमों के बीच 22 से 26 नवंबर तक पर्थ में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। आईपीएल 2025 में कई खिलाड़ियों की किस्मत दांव पर लगी हुई है। इस बार नीलामी में ऋ षभ पंत, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे भारतीय सितारे भी उतरेंगे जिन्हें उनकी टीमों ने रिटेन नहीं किया था। वहीं, अर्शदीप सिंह और ईशान किशन भी नीलामी का हिस्सा होंगे। इस स्थिति में इन पांच खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहेंगी।

अफ्रीका दौरे पर भुवनेश्वर को पीछे छोड़ सकते हैं अर्शदीप

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आठ नवंबर से चार मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है। इस दौरान तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास कई उपलब्धि अपने नाम दर्ज करने का मौका रहेगा और वह भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन सकते हैं। अर्शदीप के पास एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बनने का मौका है। वह इस मामले में भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ सकते हैं। इस साल अर्शदीप ने 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 7.14 की इकॉनोमी रेट से 28 विकेट झटके हैं। भुवनेश्वर ने 32 मैचों में 6.98 की इकॉनोमी रेट से 37 विकेट लिए हैं। यानी अगर अर्शदीप 10 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह इस मामले में भुवनेश्वर को पीछे छोड़ देंगे।

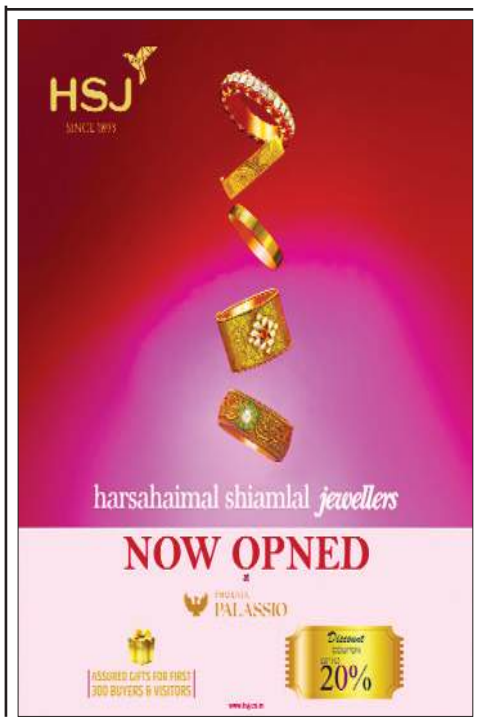

जेपीसी अध्यक्ष जगदम्बिका पाल कर रहे मनमानी!

कई सदस्यों ने लगाया आरोप, वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 के लिए बनाई गयी है कमेटी

» विधेयक के विरोध में बोलने वालों को नहीं दिया जा रहा है मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 को लेकर बनाई गई जेपीसी की बैठक में लगता है बस जूते—लाते चलना बाकी है। बाकी सबकुछ वैसे ही हो रहा है जैसा अक्सर सदन में जनता को देखने को मिलता है। जेपीसी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल पर गंभीर आरोप लगे हैं। इस तरह के आरोप इससे पहले कभी किसी कमेटी के अध्यक्ष पर नहीं लगे।

दरअसल वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 के विरोध के बाद इस मुद्दे पर ज्वाइंट पालियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) का गठन किया गया था और उसके अध्यक्ष जगदम्बिका पाल बनाये गये थे। कमेटी काम सभी पक्षों को सुनने के बाद इस विधेयक पर अपनी रिपोर्ट पेश करना था। उसी रिपोर्ट के आधार पर सरकार इस विधेयक के पास कराने या फिर सदन के पटल से हटाने के लिए निर्णय लेगी।

विपक्षी सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला से की शिकायत

पक्ष और विपक्षी सांसदों के बीच लगातार जारी तकरार मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तक भी पहुंच गई। जेपीसी में शामिल कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, आप और सपा के विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर जेपीसी चेयरमैन जगदंबिका पाल के व्यवहार की शिकायत की है। विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान यह आरोप लगाया कि जेपीसी के चेयरमैन मनमाने तरीके से बैठकें बुला रहे हैं और ऐसे लोगों एवं संगठनों को पक्ष रखने का मौका दिया जा रहा है जो इस मामले के स्टेकहोल्डर्स ही नहीं हैं।

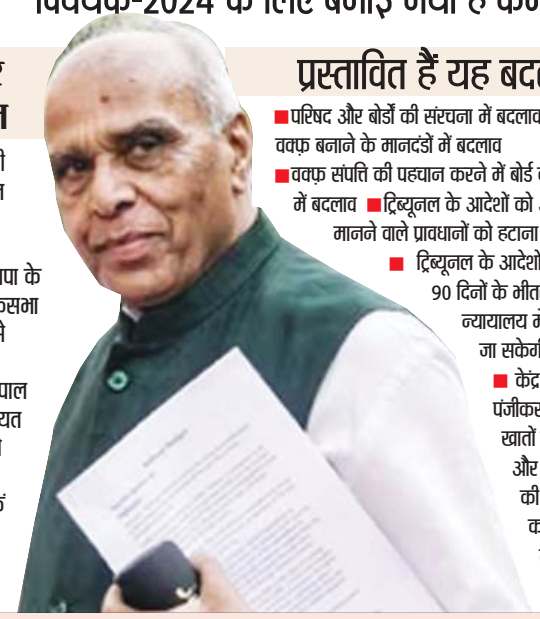

प्रस्तावित हैं यह बदलाव

- परिषद और बोर्डों की संरचना में बदलाव
- वक्फ़ बनाने के मानदंडों में बदलाव
- वक्फ़ संपत्ति की पहचान करने में बोर्ड की शक्तियों में बदलाव
- ट्रिब्यूनल के आदेशों को अंतिम मानने वाले प्रावधानों को हटाना
- ट्रिब्यूनल के आदेशों के ख़िलाफ़ 90 दिनों के भीतर उच्च न्यायालय में अपील की जा सकेगी
- केंद्र सरकार को पंजीकरण, वक्फ़ के खातों का प्रकाशन, और वक्फ़ बोर्ड्स की कार्यवाही का प्रकाशन करने का अधिकार

विरोध में बोलने का नहीं दिया जा रहा है मौका

विपक्षी सांसदों का यह भी आरोप है कि एक तरफ ऐसे लोगों और संगठनों को लगातार बोलने का मौका दिया जा रहा है, जिनका वक्फ से कोई लेना-देना नहीं है, दूसरी तरफ विपक्षी सांसदों को तैयारी करने और बोलने का उचित मौका नहीं दिया जा रहा है।

अति संवेदनशील है विधेयक

वक्फ(संशोधन) विधेयक, 2024, वक्फ़ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने का एक विधेयक है। इसका मकसद वक्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन और नियमन में आने वाली समस्याओं को दूर करना है। इस विधेयक के जरिए वक्फबोर्ड के कामकाज में सुधार लाने और वक्फसंपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है।

सिद्धारमैया लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश

» मुडा मामले में पूछताछ के लिए कांग्रेस ने समर्थन में रैली निकाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में बुधवार (6 नवंबर) को मैसूर में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में बुधवार (6 नवंबर) को मैसूर में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए हैं। लोकायुक्त पुलिस ने पहले मुख्यमंत्री को एक समन जारी कर मुआवजा स्थलों के विवादास्पद आवंटन में उनकी संलिप्तता पर स्पष्टीकरण मांगा था।

इससे पहले मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि करते हुए कहा, मैं कल सुबह 10 बजे जा रहा हूँ। उन्हें इस मामले में मुख्य आरोपी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। पुलिस ने 25 अक्टूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की थी, जिन्हें आरोपी नंबर 2 बनाया गया है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में आरोपी नंबर 1 के रूप में नामित सीएम पर मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (रूडा) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 साइटों के आवंटन में अवैधता के आरोप हैं।

मोदी और शाह के जमाने में राजनीति का स्तर गिरा : राउत

» बोले- शरद पवार के चुनाव न लड़ने के पीछे ये है बड़ा कारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनसीपी-एसपी नेता शरद पवार ने भविष्य में चुनाव न लड़ने के संकेत दिए हैं। इस पर शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा कि यह पहली बार नहीं हुआ है, शरद पवार ने पहले भी कहा था कि वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं, लेकिन हमारे जैसे जो लोग हैं, उनके साथी हैं, वह उन्हें आग्रह करते आए हैं कि आप इस तरीके से रिटायर नहीं हो सकते।

कुछ बातें इस देश में हुई हैं, मोदी और शाह के जमाने में राजनीति का स्तर इतना गिर चुका है कि शरद पवार को राजनीति रास नहीं आती। शायद उनको लगता है कि रुकना चाहिए, लेकिन अब हम उन्हें रुकने नहीं देंगे। वह हमारे मार्गदर्शक हैं। इस देश में उनकी तरह 60 साल का राजनीतिक अनुभव किसी के पास नहीं है। संजय राउत ने कहा कि राजनीति हो, गठबंधन की राजनीति हो, चाहे कृषि क्षेत्र हो, एजुकेशन का फील्ड हो सभी क्षेत्रों में शरद पावर का एक बहुत बड़ा योगदान रहा है।

हरदोई में भीषण सड़क हादसा, 10 की मौत

» पांच लोगों की हालत गंभीर
» सीएम योगी ने जताया दुख अधिकारियों को दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। हरदोई जिले के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में एक टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि हादसा रोशनपुर के पास बिल्हौर-कटरा स्टेट हाईवे पर हुआ है। यहां एक डीसीएम के अचानक सामने आने से टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू शुरू किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, रोशनपुर गांव के पास सामने से आ रहे डीसीएम के कारण टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। टेम्पो में सवार लोगों में से सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दम तोड़ दिया। बिलग्राम क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे का सीएम योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही, अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं और घायलो के समुचित उपचार की व्यवस्था करवाने के लिए कहा है।

मृतकों में पांच महिलाएं और दो बच्चियां व एक बच्चा शामिल

घटना में टेम्पो सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए है। मृतकों में पांच महिलाएं, दो बच्चियां, एक बच्चा और दो पुरुष शामिल हैं। घायलों और शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलग्राम भेजा गया है। घटना की जानकारी पर पुलिस अफसर घटनास्थल के लिए जिला मुख्यालय से रवाना हो गए हैं। वहीं, घटना के बाद से डीसीएम का चालक व हेल्पर मौके से फरार हो गए। पुलिस मृतकों की पहचान कराने की कोशिश में जुटी हुई है।

वाह रे यूपी पुलिस! मंत्री की एफआईआर दर्ज करने में लगा दिये दो महीने

» दो सितंबर की घटना की 5 नवम्बर को एफआईआर
» ओपी राजभर के फ्लैट से लाखों की चोरी, बेटे का ड्राइवर गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की कानून व्यवस्था किस हाल में है इसको एक खबर से जाना जा सकता है। दरअसल, मंत्री ओपी राजभर के डायमंड अपार्टमेंट पुराना किला सदर स्थित फ्लैट से लाखों की चोरी हो गई। दो सितंबर की घटना की रिपोर्ट हुसैनगंज कोतवाली में 5 नवम्बर को मंगलवार को दर्ज की गई। यह भी तब हुआ जब मंत्री के बेटे अरविंद राजभर के चालक को चोरी के माल के साथ अंबेडकर नगर से पकड़ा गया। इस पूरे मामले में लखनऊ और अंबेडकर नगर की पुलिस कुछ भी बोलने से कतरा रही हैं।

कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर

कैंसर के इलाज के लिए इकट्ठा की थी रकम : संजय

संजय का कहना है कि कमरे से उनके बैग में रखे 2.75 लाख रुपये, पत्नी की सोने की चेन, दो अंगूठी गायब थी। पीड़ित ने रामजीत को फोन मिलाया तो उसका नंबर बंद मिला। पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। तहरीर भी दी गई थी, लेकिन तब रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। पीड़ित ने रामजीत के साथी धानीगांव, महाराजगंज निवासी गोरख साहनी से संपर्क किया तो उसने रकम और जेवर दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में उसने भी फोन बंद कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर अब रामजीत और गोरख के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। गोरख खाना बनाने का काम करता है।

मूलरूप से बलिया निवासी संजय राजभर की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। संजय का कहना है कि वह 10 वर्षों से अरविंद राजभर के यहां चालक की नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने मेदांता अस्पताल में मुंह के कैंसर का ऑपरेशन कराया था। छुट्टी के बाद वह पत्नी संग मंत्री के फ्लैट पर वापस आ गए थे और इलाज करवा रहे थे। संजय के मुताबिक दो सितंबर को सुबह नौ बजे मंत्री के यहां काम करने वाला एक अन्य चालक अंबेडकर नगर में जगदीशपुर के ग्राम मोहिउद्दीनपुर निवासी रामजीत राजभर डायमंड अपार्टमेंट आया था। आरोप है कि रामजीत ने पूछा था कि वह फ्लैट में कब तक रुकेगा। संजय ने बताया था कि वह इलाज के लिए जा रहे हैं और शाम तक आ आएंगे। रात में 09.56 बजे रामजीत ने फोन कर फ्लैट की चाबी के बारे में पूछा था। संजय का कहना है कि जब वह फ्लैट पर लौटे तो सारा सामान बिखरा था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।